



एतत् पत्रावली का ५ भाग पूर्व का  
 अकलौनक लिखा। वसुन्मासे करीब १० वीं  
 शुक्ल तिथि के बाद का अर्धमास में प्रतिदिन  
 वसुं १५ वीं २० वीं का उदय कलेंद्र  
 गणना के माध्यम से पाया जाना पर गणना  
 लिखा जाकर सिलेस केवल ३ पुस्तक  
 में लिखा गया एवं मुद्राया जाकर  
 शांतिनगर स्थित लिखा गया। पत्रावली  
 केवल मुद्राया होकर बाद तद्वत्  
 तद्वत् शांतिनगर मुद्राया का उदय  
 का उदय मुद्राया मुद्राया मुद्राया

सपखण्ड अधिकारी  
 नोखा (बीकानेर)

